Hindi Murli Quiz 19-04-2015

ये क्विज आज की मुरली पर आधारित है| मुरली सुनने के लिए यहाँ क्लिक करें| पुरानी क्विज के लिए यहाँ क्लिक करें |

Q.1) **जिस प्रकार ब्रहमा बाप ने अपना मन-बुद्धि सदा बाप के आगे समर्पित किया और इसी महा त्याग से महान भाग्य प्राप्त किया अर्थात नंबरवन सम्पूर्ण फ़रिश्ता और नम्बरवन विश्वमहाराजन बने ऐसे फॉलो फादर करने वाले बच्चे भी महान त्यागी वा सर्वस्व त्यागी होंगे ।**

A. False
B. True

Q.2) **"अभी सब ---------- टूटने हैं इसलिए एक बाप को अपना ----------बनाओ ।"**
[निम्नलिखित विकल्पों में से केवल एक सबसे सटीक विकल्प से दोनों रिक्त स्थान भरें]

A. साथी
B. आधार
C. सम्बन्धी
D. साधन

Q.3) **बेहद के सेवाधारी बनने के लिए बापदादा ने कहा कि हमशरीक पुरुषार्थियों के ग्रुप बनाओ और फिर साप्ताहिक प्लान बनाओ । मुरली में बापदादा ने प्लान में रखने के लिए कुछ पॉइंट्स बताये । उन सभी पॉइंट्स का चयन करें ----**

A. कर्मणा समय क्या लक्ष्य रखेंगे,
B. रात को किस बात की चेकिंग करेंगे
C. सैर करते हुए कौन सी मन्सा सेवा द्वारा वाइब्रेशन फैलायेंगे,
D. क्लास के समय विशेषता क्या लेंगे,
E. अमृतवेला क्या संकल्प रखेंगे,
F. शाम के समय योग में क्या विशेष अटेंशन रखेंगे,

Q.4) **शब्दों को उनके अर्थ अनुसार ही आपस में मिलाएं ---**

	Choice		Match
A	ब्रहमा बाप रात जाग करके भी वाइब्रेशन फैलाने का मंथन करते थे ,	1	ऐसे सब बच्चों का मंथन चलना चाहिए ।
B	विश्व सेवा धरी एक काम नहीं डबल काम करते हैं ,	2	अगर दूसरा रॉग करता है तो उस समय समाने की शक्ति यूज़ करो ।
C	निश्चय करलो कि मैं राईट मार्ग पर ही रहूंगी,	3	न व्यर्थ बोल,न व्यर्थ कर्म,न व्यर्थ संग ।
D	समय प्रमाण अब व्यर्थ के नाम-निशान को भी खत्म करो.	4	स्थूल हाथ चलते रहें और मन्सा से शक्तियों का दान देते रहो ।

Q.5) **शब्दों के अर्थ अनुसार ही जोड़ें ---**

	Choice		Match
A	जैसे ब्रहमा बाप नम्बरवन विश्व सेवाधारी हैं ,	1	याद की भट्टी ।
B	बेहद की तपस्या अर्थात हर सेकण्ड तपस्या स्वरूप, तपस्वी मूर्त,	2	वैसे ही मधुवन निवासी अर्थात बेहद के सेवाधारी ।
C	मधुवन है ही सारे विश्व के अन्दर ऊंचा स्तम्भ ,	3	ऊंचा होने के कारण सभी की नजर जाती है तो यह है विशेष बेहद सेवा ।
D	सदा सेफ्टी का साधन है ,	4	मूर्त और सूरत से त्याग,तपस्या और सेवा ।

Q.6) **एक तरफ संकल्प उठता है कि 'होना चाहिए' दूसरी तरफ फिर यह भी संकल्प आता कि 'यह तो अन्त समय होगा,'अभी तो ऐसा ही चलेगा'। ऐसे-ऐसे व्यर्थ संकल्पों की ईंटों की दीवार खड़ी हो जाती है जो पुरुषार्थ की तीव्र गति को रोक लेती है । इसको पार करने के लिए 'मैं करके दिखाऊंगा' के दृढ़ संकल्प का हाई जम्प लगाओ । यह संकल्प उठना चाहिए कि 'करेंगे और रिजल्ट निकालेंगे' तब चारों ओर यह वाइब्रेशन फैलेंगे ।**

A. True
B. False

Q.7) **बेहद के सेवाधारी में बेहद के गुण होते हैं जो सबने बाप में देखे , उन सब गुणों का चयन करें ---**

A. हर संकल्प में भी कि बेहद का कल्याण कैसे हो ।

B. बोल भी बेहद के अनहद बोल सुनना और सुनाना ।

C. देखना भी बेहद की दृष्टि से ।

D. संस्कार में भी बेहद का त्याग और बेहद की तपस्या

E. सम्बन्ध और सम्पर्क में आना तो भी बेहद का सम्बन्ध ।

Q.8) **संगम युग को सर्वश्रेष्ठ एवं वरदानी युग कहते हैं । मुरली अनुसार इसकी सभी विशेषताएं चयन करें ----**

A. संगमयुग पर ही 'सदा संपन्न' का वरदान मिलता है ।

B. यह सर्व परिवर्तन का युग है ।

C. संगमयुग पर ही असम्भव,सम्भव होता है ।

D. संगमयुग पर शिव-शक्ति नाम की तरह कम्बाइंड रहो तो मायाजीत बन जाते ।

Q.9) **आजकल कांटो की कुर्सी को भी कोई नही छोड़ता । आपको तो बापदादा सदा सुखदायी स्थिति की सीट दे रहे हैं । पोजीशन पर बिठा रहे हैं फिर नीचे क्यों आते हो ? वह लोग कुर्सी के पिछाड़ी देखो कितना प्रयत्न करते हैं । मालूम भी है दुखदायी है,फिर भी नहीं छोड़ते । तो आप श्रेष्ठ स्थिति की कुर्सी को कभी भी नही छोडो । सदा अपने फरिश्तेपन की सीट पर सेट रहो तो सदा अतीन्द्रिय सुख के झूले में झूलते रहेंगे ।**

A. True

B. False

Q.10) **शब्दों / वाक्यों को उनके अर्थ अनुसार ही परस्पर मिलाएं ---**

	Choice		Match
A	मानो किसी ने 10 बोला और आपने एक बोला ,	1	उसको परवश समझ कर रहम की दृष्टि से परिवर्तन करो ।
B	जहां नम्रता होगी,	2	छोड़ना है तो कमियों को छोडो ।
C	अगर कोई कुछ रॉग कर रहा है तो डिसकस नही करो ,	3	वहां स्नेह और सहयोग अवश्य होगा ।
D	अगर देखना है तो विशेषता देखो ,	4	तो कमल पुष्प तो नही हुए ना,बूँद तो पढ़ गई ना ।